

प्रेषक,

उदय राज सिंह,  
अपर सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रमुख अभियन्ता,  
सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड,  
देहरादून।

सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण अनुभाग-02

देहरादून, दिनांक, 04-दिसम्बर, 2020 नवम्बर, 2020

विषय:- वित्तीय वर्ष 2020-21 में राज्य सैक्टर-नाबार्ड वित्त पोषित निर्माणाधीन योजनाओं (RIDF-XX नहर निर्माण) तथा (RIDF-XX बाढ़ सुरक्षा कार्य) के सापेक्ष धनावंटन के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं० 2246/प्र०अ०/सि०वि०उ०/बजट/बी-1(सामान्य) दिनांक 20.10.2020 द्वारा किये गये अनुरोध के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2020-21 में अनुदान संख्या-20 के अन्तर्गत राज्य सैक्टर-नाबार्ड वित्त पोषित निर्माणाधीन योजनाओं (RIDF-XX नहर निर्माण) तथा (RIDF-XX बाढ़ सुरक्षा कार्य) के सापेक्ष स्वीकृत/उपलब्ध बजट प्राविधान में से क्रमशः नहर निर्माण मद में रु० 450.00 लाख, एवं बाढ़ सुरक्षा मद में रु० 250.00 लाख अर्थात् कुल रु० 700.00 लाख (रु० सात करोड़ मात्र) की धनराशि व्यय हेतु निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- (i) सम्बन्धित धनराशि का व्यय प्रश्नगत योजना के अन्तर्गत किया जाय, जिसके लिए स्वीकृति जारी की जा रही है। धनराशि के अन्यत्र विचलन की दशा में सम्बन्धित अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे।
- (ii) धनराशि का आहरण व व्यय वास्तविक आवश्यकता के अनुसार किस्तों में किया जायेगा।
- (iii) धनराशि व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की आगणन पर तकनीकी स्वीकृति अवश्य प्राप्त करा ली जायेगी।
- (iv) अवमुक्त की जा रही धनराशि के आहरण व व्यय में वित्त विभाग उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-292/9 (150)-2019/XXVII (1)/2020, दिनांक 31 मार्च, 2020 में निर्धारित शर्तों के साथ-साथ बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2017 संशोधित नियमावली के सुसंगत प्राविधानों तथा शासन द्वारा मितव्यता के विषय में समय-समय पर जारी किये गये आदेशों एवं निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन किया जाय।
- (v) जहां आवश्यक हो कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व भूगर्भ वैज्ञानिक से उपयुक्तता के सम्बन्ध में आख्या प्राप्त कर ली जाय।
- (vi) प्रमुख अभियन्ता आहरण एवं वितरण अधिकारियों को अवमुक्त धनराशियों का विवरण बी०एम०-10 पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।
- (vii) कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।

क्रमशः.....2

- (viii) कार्य करने से पूर्व अनुमन्य दर सूची आधार पर गठित विस्तृत आगणन की तकनीकी स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त करने के उपरान्त ही कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।
- (ix) विभाग द्वारा नाबार्ड के अन्तर्गत समस्त Guide lines का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (x) व्यय करने से पूर्व यह भी सुनिश्चित कर लिया जाय कि जिन कार्यों हेतु धनावटन किया गया है वे कार्य कियी अन्य योजना/विभाग से वित्त पोषित/स्वीकृत न हो।
- 2- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 में अनुदान संख्या-20 के अन्तर्गत क्रमशः **लेखाशीर्षक-4700-** मुख्य सिंचाई पर पूंजीगत परिव्यय-06-निर्माणाधीन सिंचाई नहरें एवं अन्य योजनायें-001- निदेशन तथा प्रशासन-98 01-नहरों का निर्माण-53 वृहद निर्माण, एवं **लेखाशीर्षक- 4711-**बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं पर पूंजीगत परिव्यय-01-बाढ़ नियंत्रण-103- सिविल निर्माण कार्य- 98 01-बाढ़ नियंत्रण कार्य-53 वृहद निर्माण कार्य मद के नामे डाला जायेगा।
- 3- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-909/07(150)/XXVII (1)/2020, दिनांक 28 अक्टूबर, 2020 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(उदय राज सिंह)  
अपर सचिव।

संख्या- 2225 (1)/11(2)/2020-04(53)/2019, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. निजी सचिव, मा0 सिंचाई मंत्री जी को मा0 सिंचाई मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
2. महालेखाकार (ऑडिट) उत्तराखण्ड, कोलागढ़ रोड, देहरादून।
3. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) कोलागढ़ रोड, देहरादून।
4. निदेशक, राजकोषीय नियोजन तथा संसाधन निदेशालय, सचिवालय।
5. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी देहरादून/नैनीताल/उधम सिंह नगर।
6. वित्त अनुभाग-1, उत्तराखण्ड शासन।
7. नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
8. बजट निदेशालय, उत्तराखण्ड शासन।
9. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड, 23 लक्ष्मी रोड, देहरादून।
10. वित्त नियंत्रक, सिंचाई विभाग, देहरादून।
11. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,  
(अजीत सिंह)  
उप सचिव।